मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

# BSKAE–181

## बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत/बी.ए. (सामान्य)

## (बी.ए.एस.के.एच./बी.ए.जी.)

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2025

## बी.एस.के.ए.ई.-181 : भारतीय ज्ञान परंपरा

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है। दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर एक ही भाषा हिन्दी* ***अथवा*** *संस्कृत* ***अथवा*** *अंग्रेजी में हों परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही हो।*

---

## खण्ड—क

**नोट :** निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। $3\times20=60$

1. आरण्यक एवं उपनिषदों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
2. वैदिक साहित्य में वर्णित वेदांगों का विस्तृत वर्णन कीजिए।
3. भारतीय सामाजिक संस्थानों के विषय–क्षेत्रों का विस्तृत वर्णन कीजिए।
4. संस्कार का अर्थ स्पष्ट करते हुए षोडश संस्कारों का वर्णन कीजिए और परिवार व विवाह को स्पष्ट कीजिए।
5. भारतीय ज्ञान परम्परा में बौद्ध साहित्य के योगदान का वर्णन करें।
6. वैदिक संहिताओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

## खण्ड—ख

**नोट :** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। $2\times10=20$

7. प्राचीन भारतीय न्याय व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।

8. बौद्ध साहित्य में वर्णित आयुर्विज्ञान का वर्णन कीजिए।

9. ब्राह्मण ग्रन्थों के प्रतिपाद्य विषयों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

10. वेदकालीन अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डालिए।

## खण्ड—ग

11. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : $4 \times 5 = 20$

(क) षाड्गुण्य और उपाय

(ख) सप्तांग सिद्धान्त

(ग) शिक्षा व्यवस्था

(घ) वास्तु विज्ञान

(ङ) मूर्तिकला

(च) विवाह संस्थान

(छ) मनोविज्ञान

× × × × ×